सरस्वती माता की आरती

जय सरस्वती माता ,जय जय हे सरस्वती माता।
दुर्गुण वैभव शालिनी ,त्रिभुवन विख्याता॥

चंद्रवदनि पदमासिनी , द्युति मंगलकारी।
सोहें शुभ हंस सवारी,अतुल तेजधारी ॥

बायेँ कर में वीणा ,दायें कर में माला।
शीश मुकुट मणी सोहें ,गल मोतियन माला ॥

देवी शरण जो आयें ,उनका उद्धार किया।
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनी , ज्ञान प्रकाश भरो।
मोह और अज्ञान तिमिर का जग से नाश करो ॥

धुप ,दिप फल मेवा माँ स्वीकार करो।
ज्ञानचक्षु दे माता , भव से उद्धार करो ॥

माँ सरस्वती जी की आरती जो कोई नर गावें।
हितकारी ,सुखकारी ग्यान भक्ती पावें ॥

सरसवती माता ,जय जय हे सरसवती माता।
सदगुण वैभव शालिनी ,त्रिभुवन विख्याता॥

माता सरस्वती की जय

Source: https://www.bharattemples.com/mata-sarasvati-ji-ki-aarti/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw